कर्म का आचरण किया जाना ही है.... यथार्थ रूप में कर्मयोग

भगवान ने एक बहुत सुन्दर बात कही कि कर्मयोग ये मानव का सनातन कर्त्तव्य है और इतनी सुंदर बात कहते हुए भगवान कहते हैं यज्ञ की प्रक्रिया ही कर्म है, जिससे यज्ञ पूर्ण हो। इसके अतिरिक्त जो कुछ भी मनुष्य करता है बंधन है। यज्ञ पूर्ति के लिए संगदोष से अलग रहकर कर्मों का आचरण करना है। जब यह बात सुनते हैं तो लोग सोचते हैं कि क्या रोज़ हवन करना होगा! दूसरी सोचने की बात तो यह है कि अगर युद्ध का मैदान हो तो अब युद्ध के मैदान में भगवान यज्ञ करने के लिए प्रेरणा क्यों देंगे? युद्ध करना है, प्रैक्टिकल बनने की बात है। तो वहाँ यज्ञ करने की बात क्यों आ जाती है? यज्ञ का मतलब यहाँ कुछ और है।

यज्ञ जब भी व्यक्ति करता है तो किसलिए करता है? हमेशा देखा जाता है कि जब भी संसार में, घरों में यज्ञ होता है तो शुद्धिकरण की प्रक्रिया के लिए ही यज्ञ किया जाता है। जैसे किसी ने नया मकान लिया,घर लिया तो घर में जाने से पूर्व यज्ञ करते हैं। क्योंकि घर के वातावरण का शुद्धिकरण होता है। घर का शुद्धिकरण करने के बावजूद भी देखा जाता है दूसरे दिन से ही कलह-क्लेश कभी-कभी आरम्भ हो जाता है। तो क्यों? वातावरण का शुद्धिकरण नहीं हुआ? ऐसा नहीं है लेकिन यहाँ जिस यज्ञ की बात की गई है वो है जीवन रूपी यज्ञ।

जैसे यज्ञ के अन्दर तीन चीज़ों को स्वाहा करना होता है - 1. जौं- जौं लम्बे होते हैं ये प्रतीक है हमारे तन का 2. तिल- सूक्ष्म होता है ये प्रतीक है हमारे मन का 3. घी- लिक्विड होता है ये प्रतीक है धन का। परंतु फिर भी प्रैक्टिकल में देखा जाता है कि जिस आस्था, विश्वास और मनोकामना के साथ यज्ञ हवन किया गया, कुछ समय बाद पुनः वो समस्याएं, परिस्थितियां खड़ी हो जाती हैं क्यों?

वास्तव में उसका सूक्ष्म भावार्थ है कि जीवन के अन्दर परिस्थितियां, समस्याएं कलह-क्लेश क्यों आता है? तो तन जो प्रतीक है जिस प्रतीक के लिए ही हम जौ को स्वाहा करते हैं यानी तन के द्वारा किए गए बुरे कर्म, बुरे संस्कार उसको स्वाहा करो। जब इन बुराइयों को स्वाहा करते हैं तब हमारे तन का शुद्धिकरण होता है। दूसरा मन के अन्दर जो

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

बुरे विचार हैं उनको स्वाहा करो, तो मन का शुद्धिकरण होता है। और धन जो बुरे रास्तों पर, बुरी आदतों के पीछे जा रहा है वहीं घर के अंदर अशांति को ले आता है। तो बुरी आदतों को स्वाहा करो। जिससे धन का शुद्धिकरण होने लगता है। तन, मन और धन जो बुराई के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। उन बुराइयों को स्वाहा करो और जब इन तीनों का शुद्धिकरण होता है माना जीवन का शुद्धिकरण हुआ। इसीलिए भगवान ने कहा कि यज्ञ की प्रक्रिया ही कर्म है। भावार्थ- यह जीवन रूपी यज्ञ के शुद्धिकरण की प्रक्रिया में जो कर्म हम कर रहे हैं वो यथार्थ कर्म हैं। जिससे जीवन रूपी यज्ञ सम्पूर्ण होता है। इसके अतिरिक्त मनुष्य जो कुछ भी करते है वो बंधन में बांधने जैसा हो जाता है। और विशेष एक सावधानी देते हैं कि यज्ञ पूर्ति के लिए संगदोष से अलग रहकर कर्मों का आचरण करो।

बार-बार गीता में यह बात आयी है "संगदोष - संग एक दोष है"। अक्सर हम यही समझते रहे कि मनुष्य का संग यानी बुरे लोगों के साथ हम संग ना करें, किनारा कर लें। कई लोग किनारा भी कर लेते हैं। परंतु आज मनुष्य का संगी-साथी कोई है तो वो है टेक्नोलॉजी। मोबाइल सबसे बड़ा संग है और उस संग के प्रभाव में जब आ जाता है, उसकी अधीनता में जब आ जाता है तो कभी-कभी व्यक्ति को यह भी समझ में नहीं आता है कि उस मोबाइल के माध्यम से जब वो सारी दुनिया से जुड़ जाता है तो कहाँ-कहाँ भटक जाता है। कौन-सी कौन-सी राहों में भटक जाता है कि जीवन का अशुद्धिकरण हो जाता है। पहले जब माँ-बाप देखते थे कि बच्चा इस व्यक्ति के संग में आ रहा है तो बच्चे को रोकने का प्रयास करते थे। बेटा ये संग ठीक नहीं है। लेकिन आज कल मोबाइल के अंदर वो बच्चा कहाँ-कहाँ घूम रहा है ये पता भी नहीं चलता और जब पता ही नहीं चलता है तो कितनी प्रकार की अशुद्धियां आ जाती हैं जीवन में। इसलिए भगवान कहते हैं जीवन पूर्ति के लिए संगदोष से अलग रह कर के कर्म का आचरण करना है।

भगवान कहते हैं प्रजापिता ब्रह्मा ने कल्प के आदि में यज्ञ सहित प्रजा को रचकर कहा कि इस यज्ञ के द्वारा तुम वृद्धि को प्राप्त करो। ये यज्ञ जिसमें तुम्हारा अनिष्ट ना हो, विनाश रहित इष्ट संबंधी कामना की पूर्ति करेगा। इस यज्ञ के द्वारा देवताओं की उन्नति करो अर्थात् देवी संस्कारों की उन्नति करो।

- शेष पेज 7 पर ...

सोलन-हि.प्र.। शिव ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात् स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्यमंत्री राजीव सहजल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा बहन।

सिवनी-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के तत्वाधान में डूंडा सिवनी में आयोजित श्री राम कथा के समापन एवं महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. ज्योति दीदी के महिला प्रभाग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर बनने पर शहर के प्राचीन हनुमान घाट समिति के प्रमुख लक्ष्मी कश्यप, संजय शर्मा, महिला सशक्तिकरण जन समस्या निवारण संस्थान की प्रमुख पार्वती डेहरिया, सृजन बहुउद्देशीय सामाजिक संस्थान की प्रमुख सुषमा राय, गूंज संस्थान की प्रमुख मनीषा चौहान, मां अंजना ग्रुप की अध्यक्ष शोभा जैसवाल, जैविक व यौगिक खेती के युवा प्रेरक अंकित मालू, समाजसेवी बंटी भाई आदि अनेक समाजसेवी एवं अनेक संगठनों से जुड़े भाई-बहनों द्वारा ब्र.कु. ज्योति दीदी का भव्य सम्मान किया गया।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेयबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NO: - 30826907041
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail -omshantimedia.acct@bkivv.org OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087

ALL-IN-ONE QR
Paytm
Accepted Here
Wallet KYC NOT Required
Scan & Pay using Paytm App
Wallet or Bank A/c
Any Debit or Credit Card
Paytm Postpaid
BHIM UPI

कोटा-राज.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत बाइक रैली के उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलित करते हुए मंजू मेहरा,महापौर, राजेंद्र काव्य,ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज, गंगा सहाय शर्मा,पुलिस कुन्हाड़ी सीआई ऑफिसर, धर्मपाल जी,पुलिस इंचार्ज कुन्हाड़ी कोटा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला बहन तथा वरिष्ठ ब्र.कु. बहनें।

विदिशा-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में डी.एस.पी. आकांक्षा जैन, डॉ. प्रतिभा ओसवाल,स्त्री रोग विशेषज्ञ,जिला अस्पताल, डॉ. निर्मला तिवारी,स्त्री रोग विशेषज्ञ,जिला अस्पताल, कंचन शर्मा,समाज सेविका, आकृति बंसल,समाज सेविका, मंजू राजपूत,करणी सेना अध्यक्ष, ब्र.कु. रेखा बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. रुकमणी बहन आदि उपस्थित रहे।

बर्रा-कानपुर(उ.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ एवं भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में श्री रामदेवी रामदयाल त्रिपाठी महिला पॉलिटेक्निक,साकेत नगर कानपुर में आयोजित 'महिलाएं : नए भारत की ध्वजवाहक' कार्यक्रम में प्रिन्सीपल संजय अस्थाना, हेड फैकल्टी श्रीमति रजनी, तेरह शिक्षक तथा पैंतालीस ट्रेनर्स सहित ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

कोरबा-छ.ग.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'सुरक्षित भारत-सड़क सुरक्षा मोटर साइकिल यात्रा' अभियान के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए जमनीपाली पहुंचने पर आयोजित परिचर्चा में कुमार पुरुषोत्तम,डिप्टी कमाण्डेंट,सी.आई.एस.एफ. दर्री कोरबा, ब्र.कु. रूकमणी दीदी, ब्र.कु. श्याम,मा.आबू, इन्द्रनाथ नायक,उपनिरीक्षक,थाना दर्री, बुधवार साय,पार्षद,न.प.नि., नरेश जायसवाल,प्रांत प्रमुख,विद्या भारती छ.ग. प्रांत, अर्जन सिंह पटेल,जिला प्रतिनिधि,सरस्वती शिक्षा संस्थान छ.ग. कोरबा आदि उपस्थित रहे।

बरेली-सिविल लाइंस(उ.प्र.)। महाशिवरात्रि महोत्सव पर सभासद् राजेश अग्रवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. नीता बहन।

खरगोन-म.प्र.। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए बायें से श्रीमति रेखा शर्मा,लेक्चरर, ब्र.कु. किरण बहन, डॉ. शालिनी रतोरिया,डायरेक्टर,देवी रुक्मणी स्कूल, डॉ. विराज भालके,गायनेकोलॉजिस्ट, डॉ. अनीता शुक्ला,साईंटिस्ट तथा श्रीमति नीमा,समाजसेवी।